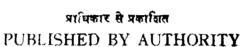


श्रताधारण EXTRAORDINARY

भाग II—कण्ड 3—उपखण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)





सं• 224

नई बिल्ली, सोमवार, श्रगस्त 11, 1975/अ।वण 20, 1897

No. 224

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 11, 1975/SRAVANA 20, 1897

इस भाग में निश्च पूष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सक । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th August, 1975

G.S.R. 443(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Defence and Internal Security of India Act, 1971 (42 of 1971), and of all other powers enabling the Central Government in this behalf, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, namely:—

- 1. Short title and commencement,—(1) These rules may be called the Defence and Internal Security of India (Second Amendment) Rules, 1975.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Amendment of rule 48.—In rule 48 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971—
 - (a) sub-rule (1A) shall be renumbered as sub-rule (1B) thereof, and before sub-rule (1B) as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted, namely:—
 - "(1A) Where an order under sub-rule (1) has been made, no person shall circulate or cause to be circulated copies of any document published or made in contravention of the order or any extract or translation thereof.".

(b) in sub-rule (3), for the words "any order", the words, brackets, figure and letter "any provision of sub-rule (1A) or any order" shall be substituted.

[No. II/16012/3/75-S&P(D, II)] C. V. NARASIMHAN, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय ग्रिषसुचना

नई दिल्ली, 11 श्रगस्त, 1975

त्ता का कि 443 (म्र). केन्द्रीय सरकार, भारत रक्षा भीर म्रान्तरिक सुरक्षा मधिनियम, 1971 (1971 का 42) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त मित्तयों, तथा उसे इस निमित समर्थ बनाने वाली म्रन्य सभी मिन्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत रक्षा भीर ग्रान्तरिक सुरक्षा नियम, 1971 में भीर संशोधन करने के लिए निम्निलिखत नियम बनाती है, म्रर्थात :---

- संक्षिन्त नाम ग्रीर ग्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम भारत रक्षा ग्रीर ग्रान्तरिक सुरक्षा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1975 है।
 - (2) ये राजयत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवत्त होंगे।
 - 2. नियम 48 का संशोधन—भारत रक्षा श्रीर श्रान्तरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 48 में—-
 - (क) उनित्रम (1क) उसके उनियम (1ख) के रून में पुनसंख्यांकित किया जाएगा, और इस प्रकार पुनसंख्यांकित उपनियम (1ख) के पूर्व, निम्नलिखित र्ुउपनियम प्रन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
 - "(1क) जहां उपनियम (1) के श्रधीन कोई श्रादेश किया गया हो वहां ोई भी व्यक्ति ऐसे श्रादेश के उल्लंघन में प्रकाशित या विरचित किसी दस्तावेज की प्रतियों का, या उसके किसी सार या अनुषाद का, परिचालन नहीं करेगा या परिचालन नहीं कराएगा।"
 - (ख) उपनियम (3) में, "इस नियम के श्रधीन दिए गए किसी श्रादेश" शब्दों के स्थान पर, "उपनियम (1क) के किसी उपबन्ध या इस नियम के श्रधीन दिए गए किसी श्रादेश" शब्द, कोष्टक, श्रक्षर और श्रंक रखे जाएंगे।

[सं० II/16012/3/75—एस एंड पी (डी-II)] सी० बी० नरसिम्हन, संयक्त सचिव ।